MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions गद्य Chapter 3 नदी बहती रहे

बोध प्रश्न

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
गंगा नदी की पहली तथा बड़ी पश्चिमी सहायक नदी कौन-सी है?
उत्तर:
यमुना।

प्रश्न 2.
नदियाँ हमारे जीवन के किस-किस पक्ष को समृद्ध करती हैं?
उत्तर:
नदियाँ हमारे जीवन के आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक पक्ष को समृद्ध करती हैं।

प्रश्न 3.
'स्वयंजात वन' किसे कहते हैं?
उत्तर:
'स्वयंजात वन' उन वनों को कहते हैं जो प्राकृतिक रूप में स्वयं बन गये हैं; यथा-कुरु प्रदेश का कुरु जंगल, साकेत का अंजनवन आदि।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
भारतीय भू-भौगोलिक स्थिति को ठीक-ठीक किस प्रकार समझा जा सकता है?
उत्तर:
भारतीय भू-भौगोलिक स्थिति को ठीक-ठीक समझने के लिए यहाँ के पर्वत समूहों और नदी-समूहों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है।

प्रश्न 2.
भारत के 'स्वयंजात' वन कौन-कौन से हैं?
उत्तर:
भारत के 'स्वयंजात' वनों में कुरु प्रदेश का कुरु जंगल, साकेत का अंजनवन, वैशाली और कपिलवस्तु में महावन, श्रावस्ती के तट पर पारिलेण्य वन एवं रोहिणी नदी के तट पर लुम्बिनी वन प्रमुख थे।

प्रश्न 3.
जनसंख्या वृद्धि के प्रकृति पर क्या प्रभाव हो रहे हैं?
उत्तर:
निरन्तर होती जा रही जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरूप योजनाविहीन विकास हो रहा है जिससे प्राकृतिक पर्यावरण समाप्त होते जा रहे हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
वन, पर्वत और नदियों के नजदीकी रिश्ते को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
वनों, पर्वतों और नदियों का बहुत नजदीकी रिश्ता है। ये तीनों ही एक साथ रहते हैं और एक वन और नदियाँ मैदानों में उतरती हैं। लेकिन जिस प्रकार की वन व्यवस्था आज है उसमें न तो वनस्पतियाँ, न वन्य पशुओं और न नदियों की रक्षा सम्भव है। मनुष्य की समग्र समृद्धि के लिए अर्थात् आर्थिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक समृद्धि और विकास के लिए वनों, वन्य पशुओं, नदियों और पर्वतों का संरक्षण बहुत आवश्यक है। यदि इस ओर हमने ध्यान नहीं दिया तो इससे भारतीय सांस्कृतिक विरासत भी खतरे में पड़ जाएगी।

प्रश्न 2.
भारत की नदियाँ अब मोक्षदायिनी क्यों नहीं रह गई हैं? पाठ के आधार पर बताइए।
उत्तर:
आज से लगभग पचास वर्ष पूर्व गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कांवेरी आदि नदियाँ अत्यधिक पवित्र मानी जाती थीं। इनका जल पीकर तथा इनमें स्नान कर मनुष्य अपने शारीरिक एवं मानसिक क्लेशों से मुक्ति पाता था। इतना ही नहीं इनके किनारे तप करके मनुष्य अपने जीवन को मोक्ष के मार्ग पर ले जाता था पर औद्योगीकरण के प्रभाव एवं नई शहरी संस्कृति ने अब इन नदियों को प्रदूषित कर दिया है। इनमें शहरों का मल-मूत्र, उद्योगों का अवशिष्ट कचरा आदि प्रवाहित किया जा रहा है। फलतः इनका जल प्रदूषित होकर वनस्पतियों, मनुष्यों, जलचरों, वन्य जीवों एवं पक्षियों आदि को रुग्ण बना रहा है। इस प्रकार ये नदियाँ अब मोक्षदायिनी न होकर संक्रामक रोगों को जन्म देने वाली बन गई है।

प्रश्न 3.
नदियों, पर्वतों और वनों से भरपूर देश की स्थिति में आज क्या परिवर्तन आया है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत विशाल देश है। यह देश अनेक नदियों, पर्वतों एवं वनों से भरपूर है। नदियों, पर्वतों एवं वनों का परस्पर अटूट रिश्ता है। जिस प्रकार वनों का नदियों से सम्बन्ध है उसी प्रकार नदियों का भी वनों से सम्बन्ध है। यदि वनों का अस्तित्व बना रहता है तो नदियाँ स्वतः प्रवाहित होती रहेंगी। यदि वन नहीं रहेंगे तो नदियाँ स्वतः विलुप्त हो जाएँगी। जनसंख्या के बढ़ते दबाव तथा औद्योगीकरण के फलस्वरूप वनों को निर्ममता से साफ किया जा रहा है। बड़े-बड़े नगर नदियों के किनारे स्थित हैं फलतः नगर की गन्दगी बेरोकटोक इन नदियों में प्रवाहित की जा रही है। वनों की निरन्तर कटाई तथा नदियों के प्रदूषित जल से मानव जीवन के स्वास्थ्य को गम्भीर खतरा उत्पन्न हो गया है। अतः हमें सावधानी से इन समस्याओं का समाधान ढूँढ़ना चाहिए। वनों को कटाई से बचाना, नदियों को प्रदूषण से बचाना एवं पर्वतों के क्षरण को रोकना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है और हमें इनका सामना कर सुखद मार्ग बनाने होंगे।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
वर्तमान समय में अपने परिवेश को प्रदूषण के प्रभाव से कैसे बचाया जा सकता है? टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
वर्तमान समय में अपने परिवेश को प्रदूषण के प्रभाव से तभी बचाया जा सकता है जबकि हम नदियों में गन्दगी प्रवाहित न कर उसे अन्यत्र डालें नदियों में नालों के जलों को मिलाने से पूर्व उनके पानी को प्रशोधित किया जाए तभी उसे नदियों में मिलाया जाए। आस-पास की वनस्पति के संरक्षण का प्रयास किया जाए और प्रतिवर्ष अधिक-से-अधिक नये वृक्ष लगाये जाएँ। वनों के अधिक उगाने से पर्वतों का भी क्षरण रुकेगा। इस प्रकार के उपाय करके हम अपने परिवेश को प्रदूषण के प्रभाव से बचा सकते हैं।

प्रश्न 5.
आशय स्पष्ट कीजिए
(क) जब गंगा गंगा न रही, तब काशी की क्या स्थिति रहेगी?
उत्तर:
आशय-लेखक का आशय है कि गंगा जैसी बारहमासी नदियाँ आज जल प्रदूषण से अधिक ग्रस्त हैं। मानव बस्तियों और उद्योगों के गन्दे पानी के इसमें निरन्तर मिलते रहने से पानी और अधिक प्रदूषण युक्त हो गया है। जब गंगा नदी की यह भयावह स्थिति है तो काशी भी इन प्रभावों से अछूती नहीं रह पायेगी।

(ख) वनों की उपयोगिता मानव की समग्र समृद्धि के लिए है। समृद्धि की इस समग्रता में उसकी आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समृद्धियाँ शामिल हैं।
उत्तर:
आशय-लेखक का आशय है कि वनों की उपयोगिता मानव की समग्र समृद्धि के लिए है। बढ़ती हुई जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वनों पर हमारी निर्भरता अधिक बढ़ गई है। अनेक उद्योगों के संचालन हेतु वनों की लकड़ी की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। इस कारण वनों को बेरहमी से काटा जा रहा है। इसके कारण वन सम्पदा शनैः-शनैः समाप्त होती जा रही है। वनों के अभाव में वर्षा की भी समस्या उत्पन्न होने लगी है। यह एक चिन्ता की बात है। इसके लिए हमें वनों का संरक्षण, परिवर्धन एवं विकास करना होगा तभी हम पर्यावरण को भी प्रदूषित होने से बचा सकते हैं। वनों की समृद्धि में ही मानव की आर्थिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक समृद्धियाँ सम्मिलित हैं। अतः हमें हर सम्भव प्रयास से वनों का संरक्षण करना चाहिए।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1.
निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिएपौराणिक, पश्चीमी, नरमदा, मंदीर, आर्थीक, स्थिती, शिघ्रता।
उत्तर:

शब्द	विलोम
सवेरा	शाम
शुचि	अशुचि
बूढ़ा	जवान
हर्ष	शोक, दु:ख।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए
दर्दनाक, प्रदूषण, कृषि, समृद्धि, प्राकृतिक, स्थापना।
उत्तर:

1. दर्दनाक – आज वनस्पतियों को जिस बेरहमी से काटा जा रहा है उससे मानव जीवन दर्दनाक बनता जा रहा है।
2. प्रदूषण – हमें अपने आसपास बढ़ रहे प्रदूषण से सावधान होना होगा।
3. कृषि – भारत एक कृषि प्रधान देश है।
4. समृद्धि – नदियों द्वारा ही मानव की सर्व प्रकार की समृद्धि आ सकती है।
5. प्राकृतिक – भारत का प्राकृतिक परिवेश बहुत विशाल है।
6. स्थापना – हमें वनों की सुरक्षा एवं नदियों के शुद्धीकरण के प्रयासों की स्थापना करनी चाहिए।

प्रश्न 3.
दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-
सम्मान, उन्नति, व्यापक, प्राचीन, आवश्यक, ज्ञान।
उत्तर:

शब्द	विलोम
सम्मान	असम्मान
उन्नति	अवनति
व्यापक	संकुचित, सीमित
प्राचीन	नवीन
आवश्यक	अनावश्यक
ज्ञान	अज्ञान

प्रश्न 4.
नीचे दिये गये शब्दों के हिन्दी रूप लिखिए।
उत्तर:
नजदीकी = निकटता; खासकर = विशेषकर; रिश्ता = सम्बन्ध; जमीन = पृथ्वी; किस्म = प्रकार; दर्दनाक = पीड़ादायक; अमलदारी = प्रभावी।

प्रश्न 5.
दिये गये वाक्यों के वाक्यांश लिखिए।
उत्तर:

वाक्य	वाक्यांश
(1) जिसे स्वीकार न किया जाए	अस्वीकार्य
(2) जो धरती बंजर हो	ऊसर
(3) शिक्षा ग्रहण करने का स्थान	शिक्षालय
(4) दूर तक की समझ रखने वाला	दूरदर्शी
(5) सब प्रकार की शक्तियों से सम्पन्न	सर्वशक्तिमान
(6) जिसका कोई पार न हो	अपार

https://www.evidyarthi.in/